

बाणेश्वर मेला - 2025

चर्चा में क्यों?

डूंगरपुर ज़िले के [बेणेश्वर धाम](#) पर बेणेश्वर मेले का 8 से 12 फरवरी 2025 तक आयोजन किया गया।

मुख्य बंदि

- मेले के बारे में:
 - यह मेला भीलों की समृद्ध आदवासी संस्कृति को प्रदर्शित करता है और इसे "आदवासियों का कुंभ मेला" कहा जाता है।
 - बाणेश्वर मेला राजस्थान के [डूंगरपुर ज़िले](#) में आयोजित होने वाला एक बंशाल [आदवासी मेला](#) है। यह जनवरी या फरवरी के महीनों में आयोजित होने वाला एक [वार्षिक उत्सव](#) है, जो [बाणेश्वर महादेव \(भगवान शवि\)](#) को समर्पित है।
 - इस पवतिर अवसर पर [गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश](#) से भील लोग यात्रा करते हुए आते हैं ताकनिदियों के [\(माही और सोम के\) संगम पर](#) डुबकी लगा सकें।
- इतहास
 - यह मेला वास्तव में दो मेलों का संयोजन है - एक शवि मंदिर में और दूसरा वंषिणु मंदिर में आयोजित किया जाता है।
 - बाणेश्वर नाम की [उत्पत्ति](#) [डूंगरपुर के शवि मंदिर में स्थिति शवि लंगि से हुई है](#)। स्थानीय भाषा में, बाणेश्वर का अर्थ है 'डेल्टा का स्वामी'। यह मेला डेल्टा पर आयोजित किया जाता है, जो सोम और माही नदियों के संगम से बनता है।
 - यह मेला [500 वर्ष पहले शुरू](#) हुआ था जब मावजी की पत्नी जनकुंवरी ने अपने ससुर के लयि एक वंषिणु मंदिर बनवाया था क्योंकि उनका मानना था कमावजी [भगवान वंषिणु के अवतार](#) थे।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल:
 - बेणेश्वर मेले के दौरान [ज़िला प्रशासन, पर्यटन वंभाग और जनजातविकास वंभाग](#) की ओर से कई सांस्कृतिक व खेलकूद कार्यक्रम आयोजित कयि गए, साथ ही पुरुष और महिला वर्ग की एथलेटिक्स, सतिलयिा प्रतयिोगतिायोजित की गई।
 - इसी प्रकार [तीरंदाजी, वालीबॉल, रस्साकसी](#) महिलाओं की मटका दौड़, भजन मंडली, साफा बाँधों प्रतयिोगतिायोजित की गई।

डूंगरपुर ज़िला

- डूंगरपुर ज़िले के संस्थापक [डूंगरसहि \(1358\)](#) थे। यह राजस्थान का [तीसरा सबसे छोटा ज़िला](#) है।
- सीमा साझा: यह चार जिलों [उदयपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ व सलूंबर](#) के साथ सीमा साझा करता है।
 - इसकी [गुजरात से अंतर्राज्यीय सीमा](#) लगती है।
- दर्शनीय स्थल: डूंगरपुर में [जूना महल, उदई बलास पैलेस, गैब सागर झील और बादल महल](#) प्रमुख ऐतहासिक महत्त्व के स्थल हैं।
- स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले डूंगरपुर तथा बांसवाड़ा का क्षेत्र '[वागड़](#)' कहलाता था।
- यह राज्य में सर्वाधिक लगानुपात (994) वाला ज़िला है।
- यह ज़िला चारों ओर से [अरावली की पहाड़ियों](#) से घरिा हुआ है।
- राज्य में [अरब सागर मानसून की शाखा](#) सर्वप्रथम डूंगरपुर ज़िले में ही प्रवेश करती है।